

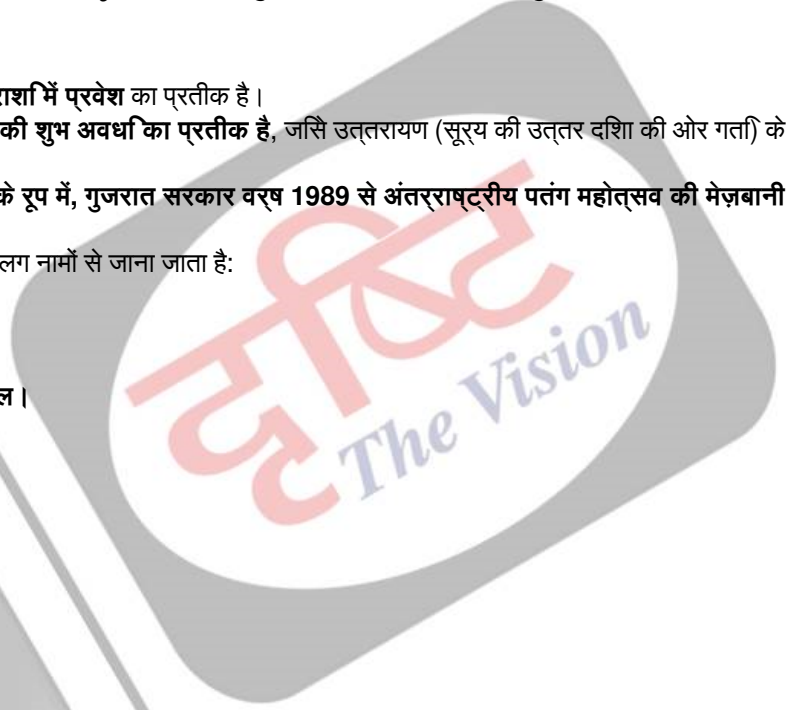
फसल उत्सव

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री ने फसल उत्सव **मकर संक्रांति, उत्तरायण, भोगी, माघ बह्वि और पोंगल** के शुभअवसर पर देश के लोगों को शुभकामनाएँ दी हैं।

■ मुख्य बह्वि:

- मकर संक्रांति सूर्य के अंतरिक्ष में भ्रमण के दौरान मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है।
- यह दिन गर्मियों की शुरुआत और हठिओं के लयि छह महीने की शुभ अवधिका प्रतीक है, जसि उत्तरायण (सूर्य की उत्तर दशिका की ओर गति) के रूप में जाना जाता है।
 - 'उत्तरायण' के आधिकारिक उत्सव के एक भाग के रूप में, गुजरात सरकार वर्ष 1989 से अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव की मेज़बानी कर रही है।
- इस दिन से जुड़े उत्सवों को देश के वभिन्न हसिों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है:
 - उत्तर भारतीय हठिओं और सखिों द्वारा **लोहडी**,
 - मध्य भारत में **सुकारत**,
 - असमयिका हठिओं द्वारा भोगाली **बह्वि** और
 - तमलि तथा अन्य दक्षणि भारतीय हठिओं द्वारा **पोंगल**।





//

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/harvest-festivals-1>